चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	16.6.23	6	3-4

'महिलाओं को बनना होगा आर्थिक आत्मनिर्भर'

हिसार। गृह-विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं को प्रोत्साहन सामग्री वितरित करतीं मुख्यातिथि संतोष कुमारी। संवाद

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के इंदिरा चक्रवर्ती गृह-विज्ञान महाविद्यालय में विस्तार शिक्षा एवं संचार प्रबंधन विभाग की ओर से शिविर में बेकरी उत्पाद व कपड़े के बैग बनाने का प्रशिक्षण दिया गया।

मुख्य अतिथि कैंपस स्कूल की निदेशिका संतोष कुमारी ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि आज आर्थिक स्तर पर महिलाओं को आत्मनिर्भर होने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि आर्थिक स्वावलंबी महिला सशक्तिकरण की पहली सीढ़ी है। स्वावलंबी बनने के लिए सर्वप्रथम खुद में आत्म-विश्वास पैदा करना चाहिए ताकि आप दूसरों के ऊपर निर्भरता छोड़ सकें। महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू मेहता, विभागाध्यक्ष डॉ. बीना यादव ने बताया कि शिविर में मोठ, नंगथला, मंगाली, पातन, टोकस, दाहिमा, रामायण, मुकलान व डाटा की महिलाओं ने भाग लिया। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	16.6.23	5	6-8

आर्थिक स्वाबलंबी महिला सशक्तिकरण की पहली सीढ़ी : संतोष कुमारी

हकृवि में बेकरी व बैग बनाने के चार प्रशिक्षण आयोजित कर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के दिए टिप्स

हिसार, 15 जून (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह-विज्ञान महाविद्यालय में विस्तार शिक्षा एवं संचार प्रबंधन विभाग द्वारा अनुसूचित जाति की महिलाओं के उत्थान व अपना व्यवसाय शुरु करने के लिए चार प्रशिक्षण आयोजित किए गए, जिसमें दो प्रशिक्षण बेकरी से संबंधित व दो प्रशिक्षण में कपड़े के बैग बनाने की जानकारी दी गई। इसके अलावा प्रतिभागियों को प्रोत्साहन सामग्री वितरित करने के लिए विशेष कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसमें मुख्यातिथि के रूप में कैंपस स्कूल की निदेशिका संतोष कुमारी मौजूद रही। मुख्यातिथि संतोष कुमारी ने उपस्थित महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि ज्यादा से ज्यादा ग्रामीण महिलाएं इन प्रशिक्षणों में भाग लें ताकि वे विभिन्न क्षेत्रों में खुद कार्य शुरु कर आय बढ़ा सकें, जिससे महिलाएं आर्थिक रूप से स्वाबलंबी व सशक्त बन सकें। उन्होंने बताया कि आर्थिक स्वावलंबी महिला सशक्तिकरण की पहली सीढ़ी है। स्वाबलंबी बनने के लिए सर्वप्रथम खुद में आत्म-विश्वास पैदा करना चाहिए ताकि आप दूसरों के ऊपर निर्भरता छोड़ सकें। उन्होंनें बताया कि खासकर महिलाओं को अपने अंदर आत्म-विश्वास पैदा करने की जरूरत है, इससे एक तो शारीरिक व मानसिक तनाव से लड़ने की शक्ति मिलती है तो दूसरा परिवार की स्थिति भी काफी मजबूत बनती है। इस दौरान मुख्यातिथि ने प्रतिभागी महिलाओं को प्रोत्साहन सामग्री भी वितरित की। गृह-विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू मेहता ने मुख्यातिथि सहित उपस्थित प्रतिभागियों का स्वागत कर आभार जताया। उन्होंने गृह-विज्ञान महाविद्यालय द्वारा महिला उत्थान विषय पर चलाई गई योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महिलाएं व्यवसायिक प्रशिक्षण प्राप्त करके व कौशल का प्रयोग करके स्वयं का लघु-उद्योग लगाकर व्यवसाय शुरू कर सकती हैं। गृह-विज्ञान महाविद्यालय की विभागाध्यक्ष डॉ. बीना यादव ने विस्तार शिक्षा एवं संचार प्रबंधन विभाग द्वारा चलाए जा रहे प्रशिक्षणों की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि बेकरी व कपड़े के बैग बनाने से संबंधित सभी प्रशिक्षण 25 जनवरी से 6 फरवरी तक 5-5 दिन के डॉ. ईला रानी व डॉ. वंदना वर्मा द्वारा आयोजित किए गए, जिसमें मोठ, नंगथला, मंगाली, पातन, टोकस, दाहिमा, रामायण, मुकलान व डाटा सहित अन्य गांवों की महिलाओं ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि इन महिलाओं को बेकरी व कपड़े के बैग बनाने से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया।

गृह-विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं को प्रोत्साहन सामग्री वितरित करती हुई मुख्यातिथि संतोष कुमारी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	16.6.23	3	7-8

आर्थिक स्वावलंबी महिला सशक्तिकरण की पहली सीढ़ी : संतोष कुमारी

महिलाओं को प्रोत्साहन सामग्री वितरित करती मुख्यातिथि संतोष कुमारी।

हिसार, 15 जून (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह-विज्ञान महाविद्यालय में विस्तार शिक्षा एवं संचार प्रबंधन विभाग द्वारा अनुसूचित जाति की महिलाओं के उत्थान व अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए 4 प्रशिक्षण आयोजित किए गए, जिसमें 2 प्रशिक्षण बेकरी से संबंधित व 2 प्रशिक्षण में कपड़े के बैग बनाने की जानकारी दी गई।

इसके अलावा प्रतिभागियों को प्रोत्साहन सामग्री वितरित करने के लिए विशेष कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसमें मुख्यातिथि के रूप में कैंपस स्कूल की निदेशिका संतोष कुमारी मौजूद रही। मुख्यातिथि संतोष कुमारी ने कहा कि आर्थिक स्वावलंबी महिला सशक्तिकरण की पहली सीढ़ी है। स्वावलंबी बनने के लिए सर्वप्रथम खुद में आत्म-विश्वास पैदा करना चाहिए, ताकि आप दूसरों के ऊपर निर्भरता छोड़ सकें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	16.6.23	2	3-4

बैकरी और कपड़े के बैग की जानकारी दी

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि के इंदिरा चक्रवर्ती गृह-विज्ञान कॉलेज में विस्तार शिक्षा एवं संचार प्रबंधन विभाग द्वारा अनुसूचित जाति की महिलाओं के उत्थान व अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए चार प्रशिक्षण आयोजित किए। इसमें दो प्रशिक्षण बेकरी से संबंधित व दो प्रशिक्षण में कपड़े के बैग बनाने की जानकारी दी। इसके अलावा प्रतिभागियों को प्रोत्साहन सामग्री वितरित करने के लिए विशेष कार्यक्रम किया, जिसमें मुख्यातिथि के रूप में कैंपस स्कूल की निदेशिका संतोष कुमारी मौजूद रहीं। मुख्यातिथि संतोष कुमारी ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि ज्यादा से ज्यादा ग्रामीण महिलाएं इन प्रशिक्षणों में भाग लें ताकि वे विभिन्न क्षेत्रों में खुद कार्य शुरू कर आय बढ़ा सकें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	16.06.2023	--	--

आर्थिक स्वावलंबी महिला सशक्तिकरण की पहली सीढ़ी : संतोष कुमारी

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह-विज्ञान महाविद्यालय में विस्तार शिक्षा एवं संचार प्रबंधन विभाग द्वारा अनुसूचित जाति की महिलाओं के उत्थान व अपना व्यवसाय शुरु करने के लिए चार प्रशिक्षण आयोजित किए गए, जिसमें दो प्रशिक्षण बेकरी से संबंधित व दो प्रशिक्षण में कपड़े के बैग बनाने की जानकारी दी गई। इसके अलावा प्रतिभागियों को प्रोत्साहन सामग्री वितरित करने के लिए विशेष कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसमें मुख्यातिथि के रूप में कैंपस स्कूल की निदेशिका संतोष कुमारी मौजूद रही।

मुख्यातिथि संतोष कुमारी ने उपस्थित महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि ज्यादा से ज्यादा ग्रामीण महिलाएं इन प्रशिक्षणों में भाग लें ताकि वे विभिन्न क्षेत्रों में खुद कार्य शुरु कर आय बढ़ा सकें, जिससे महिलाएं आर्थिक रूप से स्वावलंबी व सशक्त बन सकें। उन्होंने बताया कि आर्थिक स्वावलंबी महिला सशक्तिकरण की पहली सीढ़ी है। स्वावलंबी बनने के लिए सर्वप्रथम खुद में आत्म-विश्वास पैदा करना चाहिए ताकि आप दूसरों के ऊपर निर्भरता छोड़ सकें। उन्होंने बताया कि खासकर महिलाओं को अपने अंदर आत्म-विश्वास पैदा करने की जरूरत है, इससे एक तो शारीरिक व मानसिक तनाव से लड़ने की शक्ति मिलती है तो दूसरा परिवार की स्थिति भी काफी मजबूत बनती है। इस दौरान मुख्यातिथि ने प्रतिभागी महिलाओं को प्रोत्साहन सामग्री भी वितरित की। गृह-विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू मेहता ने मुख्यातिथि सहित उपस्थित प्रतिभागियों का स्वागत कर आभार जताया। उन्होंने गृह-विज्ञान महाविद्यालय द्वारा महिला उत्थान विषय पर चलाई गई योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महिलाएं व्यवसायिक प्रशिक्षण प्राप्त करके व कौशल का प्रयोग करके स्वयं का लघु-उद्योग लगाकर व्यवसाय शुरू कर सकती हैं।

हकृवि में बेकरी व बैग बनाने के चार प्रशिक्षण आयोजित कर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के दिए टिप्स

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	15.06.2023	--	--

प्रशिक्षण में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के दिए टिप्स

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह-विज्ञान महाविद्यालय में विस्तार शिक्षा एवं संचार प्रबंधन विभाग द्वारा अनुसूचित जाति की महिलाओं के उत्थान व अपना व्यवसाय शुरु करने के लिए चार प्रशिक्षण आयोजित किए गए, जिसमें दो प्रशिक्षण बेकरी से संबंधित व दो प्रशिक्षण में कपड़े के बैग बनाने की जानकारी दी गई। इसके अलावा प्रतिभागियों को प्रोत्साहन सामग्री वितरित करने के लिए विशेष कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसमें मुख्यातिथि के रूप में कैंपस स्कूल की निदेशिका संतोष कुमारी मौजूद रही। मुख्यातिथि ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि ज्यादा से ज्यादा ग्रामीण महिलाएं इन प्रशिक्षणों में भाग लें ताकि वे विभिन्न क्षेत्रों में खुद कार्य शुरु कर आय बढ़ा सकें, जिससे महिलाएं आर्थिक रूप से स्वावलंबी व सशक्त बन सकें। गृह-विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू मेहता ने गृह-विज्ञान महाविद्यालय द्वारा महिला उत्थान विषय पर चलाई गई योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महिलाएं व्यवसायिक प्रशिक्षण प्राप्त करके व कौशल का प्रयोग करके स्वयं का लघु-उद्योग लगाकर व्यवसाय शुरू कर सकती हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	15.06.2023	--	--

हकृवि में बेकरी व बैग बनाने के चार प्रशिक्षण आयोजित करके महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के दिए गए टिप्स

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार, 15 जून। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह-विज्ञान महाविद्यालय में विस्तार शिक्षा एवं संचार प्रबंधन विभाग द्वारा अनुसूचित जाति की महिलाओं के उत्थान व अपना व्यवसाय शुरु करने के लिए चार प्रशिक्षण आयोजित किए गए, जिसमें दो प्रशिक्षण बेकरी से संबंधित व दो प्रशिक्षण में कपड़े के बैग बनाने की जानकारी दी गई। इसके अलावा प्रतिभागियों को प्रोत्साहन सामग्री वितरित करने के लिए विशेष कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसमें मुख्यातिथि के रूप में कैंपस स्कूल की निदेशिका संतोष कुमारी मौजूद रही। मुख्यातिथि संतोष कुमारी ने उपस्थित महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि ज्यादा से ज्यादा ग्रामीण महिलाएं इन प्रशिक्षणों में भाग लें ताकि वे विभिन्न क्षेत्रों में खुद कार्य शुरु कर आय बढ़ा सकें, जिससे महिलाएं आर्थिक रूप से स्वावलंबी व सशक्त बन सकें। उन्होंने बताया कि आर्थिक स्वावलंबी महिला सशक्तिकरण की पहली सीढ़ी है। स्वावलंबी बनने के लिए सर्वप्रथम खुद में आत्म-विश्वास पैदा करना चाहिए ताकि आप दूसरों के ऊपर निर्भरता छोड़ सकें। उन्होंने बताया कि खासकर महिलाओं को अपने अंदर आत्म-विश्वास पैदा करने की जरूरत है, इससे एक तो शारीरिक व मानसिक तनाव से लड़ने की शक्ति मिलती है तो दूसरा परिवार की स्थिति भी काफी मजबूत बनती है। इस दौरान मुख्यातिथि ने प्रतिभागी महिलाओं को प्रोत्साहन सामग्री भी वितरित की। गृह-विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू मेहता ने मुख्यातिथि सहित

उपस्थित प्रतिभागियों का स्वागत कर आभार जताया। उन्होंने गृह-विज्ञान महाविद्यालय द्वारा महिला उत्थान विषय पर चलाई गई योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महिलाएं व्यवसायिक प्रशिक्षण प्राप्त करके व कौशल का प्रयोग करके स्वयं का लघु-उद्योग लगाकर व्यवसाय शुरू कर सकती हैं। गृह-विज्ञान महाविद्यालय की विभागाध्यक्ष डॉ. बीना यादव ने विस्तार शिक्षा एवं संचार प्रबंधन विभाग द्वारा चलाए जा रहे प्रशिक्षणों की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि बेकरी व कपड़े के बैग बनाने से संबंधित सभी प्रशिक्षण 25 जनवरी से 6 फरवरी तक 5-5 दिन के डॉ. ईला रानी व डॉ. वंदना वर्मा द्वारा आयोजित किए गए, जिसमें मोठ, नंगथला, मंगाली, पातन, टोकस, दाहिमा, रामायण, मुकलान व ढाटा सहित अन्य गांवों की महिलाओं ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि इन महिलाओं को बेकरी व कपड़े के बैग बनाने से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	15.06.2023	--	--

एचएयू में तीन दिवसीय केंचुआ उत्पादन प्रशिक्षण 19 से शुरु

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 15 जून : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा 'केंचुआ उत्पादन तकनीक' विषय पर 19 से 21 जून तक तीन दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया जाएगा। इस प्रशिक्षण में देश व प्रदेश से किसी भी वर्ग, आयु के इच्छुक महिला व पुरुष भाग ले सकते हैं। सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान के सह-निदेशक प्रशिक्षण डॉ. अशोक गोदारा ने बताया कि 'केंचुआ उत्पादन तकनीक' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण में केंचुआ की विभिन्न प्रजातियों, इनसे खाद तैयार करने की आधुनिक तकनीक, रख-रखाव, जैविक व अजैविक समस्याएं और उनके निदान, पैकिंग, मार्केटिंग, आर्थिक विश्लेषण, सरकार द्वारा प्रदत सहायता इत्यादि पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। उन्होंने बताया कि यह प्रशिक्षण निशुल्क होगा। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय की केंचुआ खाद इकाई/केंचुआ खाद के प्रगतिशील उत्पादक की इकाई का भी भ्रमण करवाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में तीनों दिन भाग लेने वाले उम्मीदवारों को संस्थान की तरफ से प्रमाण-पत्र भी दिए जाएंगे। इच्छुक युवक व युवतियां पंजीकरण के लिए सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में 19 जून को ही सुबह 8 बजे आकर अपना पंजीकरण करवाएं, जिसके बाद वे प्रशिक्षण में भाग ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि यह संस्थान विश्वविद्यालय के गेट नंबर-3, लुदास रोड पर स्थित है। यह प्रशिक्षण पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर दिया जाएगा। पंजीकरण के लिए एक फोटो व आधार कार्ड की फोटोकॉपी साथ लेकर आएं।